M.G.S. UNIVERSITY, BIKANER

SYLLABUS

SCHEME OF EXAMINATION AND COURSES OF STUDY

FACULTY OF ARTS

M.A. HINDI

M.A. PREVIOUS EXAMINATION-2016
M.A. FINAL EXAMINATION-2017

सूर्य प्रकाशन मन्दिर
दाऊजी रोड़ (नेहरू मार्ग), बीकानेर 5 (राज.)

NOTICE

1. The Ordiances Governing the examination in the Faculties of Arts, Fine Arts, Social Sciences, Science, Commerce, Management, Engineering, Education and Law are contained in separate booklet. The students are advised to the same.
2. Changes in Statutes / Ordinances / Rules/ Regulations / Syllabus and Books may from time to time, be made by amendment or remaking, and a candidate shall, except in so far as the University determines otherwise comply with any changes that applies to years he has not completed at the time of change.
3. In each paper, 10 questions will be set, 2 questions from each unit. Candidates have to answer five questions in all taking at least one question from each unit.
4. The syllabus is given in both the languages i.e. Hindi & English, if there is any discrepency, English version will be authentic.
5. The list of text books/ Recommended books/Reference Books as approved by the various B.O.S. are printed along with the English version only.

Note : The decision taken by the Academic Council shall be final.

सूचना

1. कला, ललितकला, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, वाणिज्य, प्रबन्ध अभियान्त्रिकी, शिक्षा एवं विधि संकाय की परीक्षाओं से सम्बद्ध अध्यादेश (आर्डनेंस) पृथक पुस्तिकाओं में संकलित हैं। छात्रों को सलाह दी जाती है कि उनकों देखें।
2. समय–समय पर संशोधन या पुनर्निमाण कर अधिनियमों, अध्यादेशों, नियमों, विनियमों, पाठ्यक्रमों व पुस्तकों में परिवर्तन कर अधिनियमों, अध्यादेशों, नियमों, विनियमों, पाठ्यक्रमों व पुस्तकों में परिवर्तन किया जा सकता है तथा किसी भी परिवर्तन को, छात्र को मानना होगा जो पाठ्यक्रम के उन वर्गो् के लिए लागू हो जिसे परिवर्तन के समय पूरा नहीं किया हो, बशर्ते कि विश्वविद्यालय ने अन्यथा प्रकार से छूट न दे दी हो।
3. प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 9 प्रश्न होंगे। पाँच खण्डों में से प्रत्येक में 3 प्रश्न होंगे। छात्र को 4 प्रश्नों के उत्तर देना होगा। परन्तु प्रत्येक खण्ड में से एक प्रश्न का उत्तर अनिवार्यतः देना होगा।
4. पाठ्यक्रम हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में दिया हुआ है। यदि कोई विसंगति प्रतीत होती है तो अंग्रेजी पाठ्यक्रम को ही प्रामाणिक माना जाय।
5. विभिन्न पाठ्यक्रम मंडलों द्वारा स्वीकृत पाठ्यपुस्तकों, संस्तुत पुस्तकों, संदर्भ पुस्तकों की सूची अंग्रेजी पाठ्ध्यक्रम में उपलब्ध है।

नोट : विद्या परिषद् द्वारा लिये गये निर्णय अन्तिम होंगे।

© M.G.S. UNIVERSITY, BIKANER

Published by : SURYA PRAKASHAN MANDIR, BIKANER M. : 9829280717
For M.G.S. University, Bikaner

SCHEME OF EXAMINATION

Each Theory paper	**3 Hrs. duration**	**100 Marks**
Dissertation /Thesis/Survey Report/Field work. if any		**100 Marks**

1. The number of paper and the maximum marks of each paper practical shall be shown in the syllabus for the subject concerned. It will be necessary for a candidate to pass in the theory part as well as in the practical part (wherever prescribed) of a subject/Paper separately.
2. A candidate for a pass at each of the Previous and the Final Examination shall be required to obtain (i)atleast 36% marks in the aggregate of all the paper prescribed of the examination an (ii) atleast 236% marks in practical(s) wherever prescribed the examination, provided that if a candidate fails to secure atleast 25% marks in each individual paper work, wherever prescribed, be shall be deemed to have failed at the examination not with standing his having obtained the minimum percentage of marks required in the aggregate for that examination. No at the end of the Final Examination on the combined marks obtained at the Previous and the Final Examination on the combined marks obtained at the Previous and the Final Examination taken together, as noted below:

   First Division 60% of the aggregate marks taken together
   Second Division 48% of the Previous Final Examination
   All the rest will be declared to have passed the examinations.
3. If a candidate clears any paper(s) Practical(s) /Dissertation Prescribed at the Previous and or/final Examination after a continuous period of three years, then for the purpose of working out his division the minimum pass marks only viz 35% (36% in the case of practical) shall be taken into account in respect of such paper(s) Practical(s) Dissertation are cleared after the expiry of the aforesaid period of three year, provided that in case where a candidate require more than actually secured by him will be taken into account as would enable him to make the deficiency in the requisite minimum aggregate .
4. The Thesis/Dissertation/Survey Report / Field Work shall be typed & written and submitted in triplicate so as to reach the office of the Registrar atleast 3 weeks before the commencement of the theory examination. Only such candidates shall be permitted to offer dissertation / Field work/Survey report/Thesis (if provided in the scheme of examination) in lieu of a paper as have secured at least 55% marks in the aggregate of all scheme, irrespective of the no. of papers in which a candidate actually appeared at the examination.

N.B. : (i) Non-Collegiate candidates are not eligible to offer dissertation as per Provision of 170-A.

एम. ए. पूर्वार्द्ध

प्रथम प्रश्न पत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास

समय 3 घण्टे पूर्णांक 100

इकाई – 1

आदिकाल

हिन्दी साहित्य का आरम्भ (पूर्वापर सीमा निर्धारण) कब और कैसे ? पृष्ठभूमि, रासो साहित्य, आदिकालीन हिन्दी का जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली तथा लौकिक साहित्य, आदिकालीन साहित्य की सामान्य विशेषताएँ, आदिकाल की प्रवृत्तियाँ। परवर्ती साहित्य पर आदिकालीन साहित्य का प्रभाव।

इकाई – 2

भक्तिकाल

पूर्वापर सीमा निर्धारण, भक्ति आन्दोलन, उदय के कारण, सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, आलवार सन्त, सांस्कृतिक चेतना एवं प्रमुख सम्प्रदाय और आचार्य, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप। चेतना एवं भक्ति आन्दोलन।

हिन्दी सन्त काव्य

सन्त काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण सन्त कवि और उनका वैशिष्ट्य, सन्त काव्य की प्रमुख विशेषताएँ।

हिन्दी सूफी काव्य

सूफी काव्य का वैचारिक आधार, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य, हिन्दी सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोक जीवन के तत्त्व, कवि और काल, हिन्दी सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ।

हिन्दी कृष्ण काव्य

विविध सम्प्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कृष्ण भक्त कवि और काव्य, कृष्ण काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, भ्रमरगीत परम्परा, गीति परम्परा और हिन्दी कृष्ण काव्य।

हिन्दी राम काव्य

विविध सम्प्रदाय, रामभक्ति शाखा के कवि और काव्य, रामभक्ति काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, तुलसी की प्रमुख कृतियाँ और उनका वैशिष्ट्य।

इकाई – 3

रीतिकाल

सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नामकरण, पूर्वापर सीमा निर्धारण, रीति काव्य के मूल स्रोत, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख काव्यधाराएँ – रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त। रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका वैशिष्ट्य, दरबारी संस्कृति और लक्षण। ग्रन्थों की परम्परा, रीतिकाल की अन्य प्रवृत्तियाँ (वीर, भक्ति एवं नीति काव्य)

इकाई – 4

आधुनिक काव्य

नामकरण और आधुनिकता की अवधारणा, पूर्वापर सीमा निर्धारण, पृष्ठभूमि।

पद्य

आधुनिक हिन्दी कविता के विकास के विभिन्न सोपान।

भारतेन्दु युग

सांस्कृतिक पुनर्जागरण, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का योगदान।

द्विवेदी युग

हिन्दी नवजागरण, राष्ट्रीय काव्य धारा, प्रेम और मस्ती की काव्य धाराएँ, द्विवेदी युगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि, स्वच्छन्दतावाद।

छायावाद

स्वच्छन्दतावाद और छायावाद, छायावाद – नामकरण, प्रवृत्तियाँ, उद्‌भव के कारण और परिस्थितियाँ, प्रमुख कवि – प्रसाद, पन्त, निराला, महादेवी।

प्रगतिवाद

प्रगतिवाद और प्रगतिशीलता, प्रगतिवाद का प्रारम्भ, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, उदय के कारण, वैचारिक दृष्टिकोण, प्रमुख कवि – दिनकर, नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल, त्रिलोचन।

प्रयोगवाद

नामकरण, उदय की कारणमूलक परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, प्रवृत्तियाँ, तारसप्तक और सप्तक की प्रवृत्तियाँ, प्रयोगवाद, प्रमुख कवि – अज्ञेय, धर्मवीर भारती, मुक्तिबोध, शमशेर, गिरिजाकुमार माथुर आदि।

नई कविता

उदय की कारणमूलक परिस्थितियाँ, नामकरण की सार्थकता, प्रयोगवाद और नई कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, वैशिष्ट्य, प्रमुख कवि।

समकालीन कविता

सामान्य परिचय।

इकाई – 5

गद्य

खड़ी बोली हिन्दी गद्य – उद्‌भव और विकास, उद्‌भव के कारण (पूर्व भारतेन्दु युग, भारतेन्दु युग, प्रेरणा स्रोत, विभिन्न व्यक्तियों का योगदान, द्विवेदी युग, उत्तर द्विवेदी युग), हिन्दी के प्रमुख गद्यकार और उनका मौलिक अवदान। प्रमुख गद्य विधाओं का ऐतिहासिक विकास (उपन्यास, कहानी, नाटक, निबन्ध, एकांकी, आलोचना, संस्मरण, रेखाचित्र)।

परीक्षकों के लिए निर्देष :–

1. प्रश्न पत्र इकाइयों में विभक्त हो।
2. प्रत्येक इकाई से निर्देशानुसार व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाए।
3. प्रत्येक इकाई से व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों को निरन्तर क्रम से पूछा जाए।
4. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ बदलाव होता रहता है अतः परीक्षक पूर्ववर्ती प्रश्न पत्र को प्रमाण न माने।

विस्तृत अंक योजना :– कुल पाँच इकाई होगी, प्रत्येक इकाई 20 अंक की होगी।

इकाई – 1

(अ) दो आलोचनात्मक प्रश्न आदिकाल से पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।

शब्द सीमा – 500 शब्द अंक – 12 1x12=12

(ब) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।

शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 4 1x4=4

(स) चार अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो प्रश्न करने होंगे।

शब्द सीमा – 25 शब्द अंक – 2 2x2=4

इकाई – 2

(अ) दो आलोचनात्मक प्रश्न भक्तिकाल से पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।

शब्द सीमा – 500 शब्द अंक – 12 1x12=12

(ब) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।

शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 4 1x4=4

(स) चार अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो प्रश्न करने होंगे।

शब्द सीमा – 25 शब्द अंक – 2 2x2=4

इकाई – 3

(अ) दो आलोचनात्मक प्रश्न रीतिकाल से पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।

शब्द सीमा – 500 शब्द अंक – 12 1x12=12

(ब) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।

शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 4 1x4=4

(स) चार अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो प्रश्न करने होंगे।

शब्द सीमा – 25 शब्द अंक – 2 2x2=4

इकाई – 4

(अ) दो आलोचनात्मक प्रश्न आधुनिक काव्य से पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।

शब्द सीमा–500 शब्द अंक – 12 1x12=12

(ब) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।

शब्द सीमा–100 शब्द अंक – 4 1x4=4

(स) चार अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो प्रश्न करने होंगे।

शब्द सीमा – 25 शब्द अंक – 2 2x2=4

इकाई – 5

(अ) दो आलोचनात्मक प्रश्न आधुनिक गद्य से पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।

शब्द सीमा – 500 शब्द अंक – 12 1x12=12

(ब) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।

शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 4 1x4=4

(स) चार अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो प्रश्न करने होंगे।

शब्द सीमा – 25 षब्द अंक – 2 2x2=4

सहायक पुस्तकें :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. आदिकाल की भूमिका – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सम्पादक : नगेन्द्र
5. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
7. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
8. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
9. हिन्दी साहित्य सुग और प्रवृत्तियाँ – डॉ. शिवकुमार शर्मा
10. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास – डॉ. श्रीकृष्ण लाल
11. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
12. स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
13. छायावाद – डॉ. नामवर सिंह
14. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. नामवर सिंह
15. नया हिन्दी काव्य – शिवकुमार शुक्ल
16. नयी कविता : स्वरूप और समस्याएँ – डॉ. जगदीश गुप्त
17. आधुनिक गद्य साहित्य – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
18. हिन्दी गद्य : उद्‌भव और विकास – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
19. हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा
20. साहित्येतिहास संरचना और स्वरूप – सुमन राजे
21. हिन्दी साहित्य के इतिहासों का इतिहास – किशोरीलाल गुप्त
22. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी
23. हिन्दी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
24. भक्ति का विकास – मुंशीराम शर्मा
25. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय – पीताम्बरदत्त बड़वाल
26. भक्तिकाल की सामाजिक सांस्कृतिक चेतना – प्रेम शंकर
27. वैष्णव भक्ति आन्दोलन का अध्ययन – मलिक मोहम्मद

द्वितीय प्रश्न पत्र : साहित्य शास्त्र : भारतीय एवं पाश्चात्य

समय : 3 घण्टे उत्तीर्णांक : 36 पूर्णांक : 100

इकाई – 1

काव्य की अवधारण :–

रस सिद्धान्त – रस निष्पति साधारणीकरण, रस–अर्थ और स्वरूप, रसावयव, भरत का रससूत्र और उनके प्रमुख व्याख्याकार, हिन्दी के आचार्यों – रामचन्द्र शुक्ल और नगेन्द्र की रस विवेचनाएँ, सहृदय की अवधारणा।

ध्वनि सिद्धान्त – ध्वनि–अर्थ और स्वरूप, भेद–प्रभेद, महत्त्व, प्रमुख आचार्य, (परम्परा) काव्य की आत्मा मानने के पक्ष–विपक्ष में तर्क, आनन्दवर्धन का योगदान।

इकाई – 2

वक्रोक्ति सिद्धान्त :– वक्रोक्ति – लक्षण और स्वरूप, भेदोपभेद, विकास, कुन्तक के वक्रोक्ति सिद्धान्त और क्रोचे के अभिव्यंजनावाद की तुलना।

अलंकार सिद्धान्त :– अलंकार के लक्षण और स्वरूप, काव्य में महत्त्व, अलंकार सम्प्रदाय के प्रमुख आचार्य, अलंकार और अलंकार्य।

रीति सिद्धान्त :– अर्थ और स्वरूप, रीतियों के प्रमुख भेद, रीति और गुण, रीति और शैली, वामन का अवदान।

औचित्य सिद्धान्त :– स्वरूप, भेद, औचित्य का अन्य सम्प्रदायों से सम्बन्ध।

इकाई – 3

1. विरेचन सिद्धान्त – अरस्तू
2. सम्प्रेषण सिद्धान्त – आई.ए. रिचर्ड्स
3. निर्वैयक्तिकता सिद्धान्त – टी.एस.इलियट
4. उदात्त तत्त्व – लोंजाइनस
5. कल्पना सिद्धान्त – कॉलरिज
6. काव्य भाषा सिद्धान्त – वर्ड्सवर्थ

इकाई – 4

(क) **आलोचना पद्धतियाँ** – मनोविश्लेषणात्मक, मार्क्सवादी, अस्तित्ववादी, नई समीक्षा, स्वच्छन्दतावादी।

(ख) **आधुनिक हिन्दी आलोचना** – प्रमुख विशेषताएँ, हिन्दी के प्रमुख आलोचक और उनका मौलिक अवदान।

1. रामचन्द्र शुक्ल – रस दृश्टि और लोकमंगल की अवधारणा।
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी – सांस्कृतिक ऐतिहासिक आलोचना।
3. नन्ददुलारे वाजपेयी – सौष्ठववादी आलोचना।
4. डॉ. रामविलास शर्मा – मार्क्सवादी आलोचना (समाजशास्त्रीय)।
5. डॉ. नगेन्द्र – रसवादी आलोचना।

इकाई – 5

(1) साहित्यिक विधाओं का सैद्धान्तिक स्वरूप (महाकाव्य, खण्डकाव्य, उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, निबन्ध, आलोचना, संस्मरण, रेखाचित्र, आत्मकथा, जीवनी, गीतिकाव्य)।

(2) मिथक, फंतासी, स्वच्छन्दतावाद और यथार्थवाद, समकालीन आलोचना की कतिपय अवधारणाः– विसंगति, अन्तर्विरोध, विखण्डनवाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकवाद, स्त्री विमर्श, दलित विमर्श।

परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रश्न पत्र इकाइयों में विभक्त हो।
2. प्रत्येक इकाई से निर्देशानुसार व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाए।
3. प्रत्येक इकाई से व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों को निरन्तर क्रम से पूछा जाए।
4. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ बदलाव होता रहता है अतः परीक्षक पूर्ववर्ती प्रश्न पत्र को प्रमाण न माने।

विस्तृत अंक योजना :–

इकाई – 1

(अ) दो आलोचनात्मक प्रश्न रस व ध्वनि सिद्धान्त से पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 500 शब्द अंक – 12 1x12=12

(ब) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 4 1x4=4

(स) चार अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो प्रश्न करने होंगे।
शब्द सीमा – 25 शब्द अंक – 2 2x2=4

इकाई – 2

(अ) दो आलोचनात्मक प्रश्न वक्रोक्ति, अलंकार, रीति व औचित्य सिद्धान्त से पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 500 शब्द अंक – 12 1x12=12

(ब) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 4 1x4=4

(स) चार अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो प्रश्न करने होंगे।
शब्द सीमा – 25 शब्द अंक – 2 2x2=4

इकाई – 3

(अ) दो आलोचनात्मक प्रश्न पाश्चात्य विचारकों के सिद्धान्तों से पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 500 शब्द अंक – 12 1x12=12

(ब) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 4 1x4=4

(स) चार अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो प्रश्न करने होंगे।
शब्द सीमा – 25 शब्द अंक – 2 2x2=4

इकाई – 4

(अ) दो आलोचनात्मक प्रश्न विभिन्न आलोचना पद्धतियों व हिन्दी आलोचकों से सम्बन्धित पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 500 शब्द अंक – 12 1x12=12

(ब) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 4 1x4=4

(स) चार अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो प्रश्न करने होंगे।
शब्द सीमा – 25 शब्द अंक – 2 2x2=4

इकाई – 5

(अ) दो आलोचनात्मक प्रश्न साहित्यिक विधाओं से पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।

शब्द सीमा – 500 शब्द अंक – 12 1x12=12

(ब) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।

शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 4 1x4=4

(स) चार अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो प्रश्न करने होंगे।

शब्द सीमा – 25 शब्द अंक – 2 2x2=4

सहायक पुस्तकें :–

1. काव्य शास्त्र – डॉ. भागीरथ मिश्र
2. भारतीय काव्य शास्त्र–भाग 1 – पं. बलदेव उपाध्याय
3. रस सिद्धान्त : स्वरूप विश्लेषण – डॉ. आनन्द प्रकाश दीक्षित
4. रस सिद्धान्त – डॉ. नगेन्द्र
5. रस मीमांसा – रामचन्द्र शुक्ल
6. अभिनव रस मीमांसा – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
7. साहित्यालोचन – श्याम सुन्दर दास
8. साहित्य शास्त्र – डॉ. रामशरण दास
9. हिन्दी काव्य शास्त्र की भूमिका – राममूर्ति त्रिपाठी
10. भारतीय काव्य शास्त्र के सिद्धान्त – कृष्णदेव झारी
11. पाश्चात्य काव्य शास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा
12. पाश्चात्य काव्य शास्त्र का इतिहास – तारकनाथ बाली
13. पाश्चात्य साहित्य चिन्तन – डॉ. निर्मला जैन, कुसुम बांठिया
14. हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी
15. आलोचक और आलोचना – डॉ. बच्चन सिंह
16. हिन्दी आलोचना : बीसवीं सदी – डॉ. निर्मला जैन
17. कविता के नये प्रतिमान – डॉ. नामवर सिंह
18. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धान्त – भाग 2 – गोविन्द त्रिगुणायत
19. हिन्दी काव्य षास्त्र इतिहास – डॉ. भागीरथ मिश्र
20. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द – डॉ. बच्चन सिंह
21. समीक्षालोक – डॉ. भागीरथ दीक्षित
22. हिन्दी आलोचना की परम्परा और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – शिवकुमार मिश्र
23. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र – सत्यदेव चौधरी
24. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र – डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
25. भारतीय काव्य शास्त्र – गोविन्द त्रिगुणायत
26. रस सिद्धान्त और सौन्दर्यशास्त्र – डॉ. निर्मला जैन
27. भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
28. भारतीय काव्य शास्त्र का अध्ययन – डॉ. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय
29. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धान्त – डॉ. शान्ति स्वरूप गुप्त

30. सौन्दर्य चिन्ता — डॉ. विमल

31. पाश्चात्य काव्य शास्त्र
— अधुनातन सन्दर्भ — डॉ. सत्यदेव मिश्र

तृतीय प्रश्न पत्र : प्राचीन काव्य

समय : 3 घण्टे उत्तीर्णांक : 36 पूर्णांक : 100

इकाई — 1

1. **पष्थ्वीराज रासो (पद्मावती समय)** — चन्द्रवरदाई

रासो शब्द का अर्थ, पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता—अप्रामाणिकता, रासो काव्य परम्परा में पृथ्वीराज रासो का स्थान, पद्मावती समय की विशिष्टता, कथा संगठन, चरित्र—चित्रण, कथानक रूढ़ियाँ, काव्य सौन्दर्य, रस योजना, प्रकृति चित्रण, भाषा—शैली।

इकाई — 2

2. **बीसलदे रास** — सं. डॉ. ब्रजनारायण पुरोहित

रासो शब्द का अर्थ, रासो की प्रामाणिकता, रासो काव्य परम्परा में बीसलदे रास का स्थान, काव्य सौश्ठव, चरित्र चित्रण, वीर और श्रृंगार रस, भाषा शैली।

इकाई — 3

3. **विद्यापति पदावली** (प्रथम 25 पद) — सं. आनन्द प्रकाश दीक्षित

गीति काव्य परम्परा और उसमें विद्यापति का स्थान, मुक्तक काव्य और विद्यापति, विद्यापति भक्त या श्रृंगारी कवि, काव्य शास्त्र और श्रृंगार वर्णन, विरह वर्णन, सौन्दर्य चित्रण, प्रेम व्यंजना, भाव व्यंजना, काव्य कला और भाषा—शैली।

इकाई — 4

4. **कबीर ग्रन्थावली** — सं. श्यामसुन्दर दास

साखियाँ :—

गुरुदेव को अंग निहकरमी पतिव्रता को अंग

विरह को अंग पद—1,6,11,18,39,40,43,64,84,92,111.

सन्त शब्द का अर्थ, सन्त काव्य परम्परा और उसमें कबीर का स्थान, कबीर का समाज—दर्शन, विद्रोह भावना, दार्शनिकता, रहस्यवाद, भक्ति—भावना, कबीर के राम, भाव—व्यंजना, काव्य—कला, भाषा वैशिष्ट्य।

इकाई — 5

5. **जायसी ग्रन्थावली** (सिंहल द्वीप खण्ड, नागमती वियोग खण्ड) — सं. रामचन्द्र शुक्ल

सूफी काव्य परम्परा और उसमें जायसी का स्थान, सूफी शब्द का अर्थ, पद्मावत का महाकाव्य, काव्य सौन्दर्य, प्रेम भावना, रहस्यवाद, रस योजना, वियोग वर्णन, प्रकृति सौन्दर्य, वस्तु वर्णन, लोक तत्त्व, अन्योक्ति है या समासोक्ति, कथानक रूढ़ियाँ, काव्य सौष्ठव।

परीक्षकों के लिए निर्देश :—

1. प्रश्न पत्र इकाइयों में विभक्त हो।
2. प्रत्येक इकाई से निर्देशानुसार व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाए।
3. प्रत्येक इकाई से व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों को निरन्तर क्रम से पूछा जाए।

4. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ बदलाव होता रहता है अतः परीक्षक पूर्ववर्ती प्रष्न पत्र को प्रमाण न माने।

विस्तृत अंक योजना :–

इकाई – 1

(अ) दो व्याख्याएँ पद्मावती समय से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक पश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक पश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

इकाई – 2

(अ) दो व्याख्याएँ बीसलदे रास से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

इकाई – 3

(अ) दो व्याख्याएँ विद्यापति पदावली से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

इकाई – 4

(अ) दो व्याख्याएँ कबीर ग्रन्थावली से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

इकाई – 5

(अ) दो व्याख्याएँ जायसी ग्रन्थावली से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।

शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

सहायक पुस्तकें :–

1. रासो विमर्श – डॉ. माताप्रसाद गुप्त
2. पृथ्वीराज रासो की भाषा – डॉ. नामवर सिंह
3. मध्ययुगीन प्रेमाख्यान काव्य – डॉ. श्याम मनोहर पाण्डेय
4. हिन्दी साहित्य का निर्गुण सम्प्रदाय – डॉ. पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल
5. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी
6. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. कबीर – सं. डॉ. विजयेन्द्र स्नातक
8. कबीर मीमांसा – रामचन्द्र तिवारी
9. कबीर एक नई दृष्टि – रघुवंश
10. कबीरदास विविध आयाम – सं. प्रभाकर श्रोत्रिय
11. कबीर – राधाकृष्ण मूल्यांकन माला
12. जायसी के काव्य का सांस्कृतिक अध्ययन – डॉ. भीमसिंह मलिक
13. जायसी ग्रन्थावली भूमिका – रामचन्द्र शुक्ल
14. मलिक मुहम्मद जायसी – कन्हैया सिंह
15. जायसी एक नई दृष्टि – रघुवंष
16. म.मु. जायसी और उनका काव्य – शिव सहाय
17. जायसी – विजयदेव नारायण साही
18. आदिकालीन साहित्य – डॉ. हरीश
19. विद्यापति का काव्य – डॉ. कश्यपदेव भाटी
20. विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह
21. हिन्दी के प्राचीन कवि – डॉ. विमल

चतुर्थ प्रश्न पत्र : मध्यकालीन काव्य

समय : 3 घण्टे उत्तीर्णांक : 36 पूर्णांक : 100

इकाई – 1

1. **विनय पत्रिका (उत्तरार्द्ध के 136 से 200 तक)** – तुलसीदास

राम काव्य परम्परा और तुलसी, तुलसी के राम का स्वरूप, तुलसी की भक्ति भावना, सामाजिक–सांस्कृतिक दर्षिट, लोकमंगल की अवधारणा, काव्य दर्षिट, समन्वय, विनय पत्रिका में दर्षन, काव्य सौश्ठव, उद्देष्य।

इकाई – 2

2. **सूर सौरभ (प्रथम 50 छंद)** – सं. डॉ. नन्दकिषोर आचार्य, वाग्देवी प्रकाषन, बीकानेर

सूर की भक्ति भावना, वात्सल्य वर्णन, श्रषंगार वर्णन, गीति योजना, सहृदयता और वाग्विदग्धता, प्रकृति चित्रण, अलंकार योजना, भाशा–सौश्ठव, काव्य कला। भ्रमरगीत परम्परा और उसमें सूर का स्थान, भ्रमरगीत का उद्देष्य, विषेशताएँ।

इकाई – 3

3. **मीरां पदावली (प्रथम 50 छंद)** – सं. षम्भूसिंह मनोहर

मीरां की भक्ति भावना, प्रेम साधना, गीति काव्य और मीरां, मीरां–काव्य में लोक तत्त्व, मीरां के आराध्य का स्वरूप, विरह–भावना, मीरां काव्य में वेदना की मार्मिक अभिव्यक्ति, सौन्दर्य, निरूपण, काव्य सौश्ठव।

इकाई – 4

4. **बिहारी** (बिहारी रत्नाकर – प्रथम 100 दोहे)

सतसई काव्य परम्परा में बिहारी सतसई का स्थान, मुक्तक काव्य और बिहारी, बिहारी की बहुज्ञता, कल्पना की समाहार–षक्ति और भाशा की समास–षक्ति, रस योजना, श्षंगार वर्णन, प्रकृति चित्रण, अनुभाव वर्णन, सतसई में नीति, भक्ति और श्षंगार, गागर में सागर, काव्य सौश्ठव।

इकाई – 5

5. **घनानन्द कवित्त (प्रथम 50 छंद)** – सं. विष्वनाथ प्रसाद मिश्र (प्रथम 50 छन्द)

रीतिमुक्त काव्य धारा की विषेशताएँ, रीतिमुक्त काव्य धारा और उसमें घनानन्द का स्थान, प्रेम व्यंजना, भाव सौन्दर्य, काव्य कला, विरहानुभूति, काव्य दर्षिट।

परीक्षकों के लिए निर्देष :–

1. प्रष्न पत्र इकाइयों में विभक्त हो।
2. प्रत्येक इकाई से निर्देषानुसार व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रष्न पूछे जाए।
3. प्रत्येक इकाई से व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रष्नों को निरन्तर क्रम से पूछा जाए।
4. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ बदलाव होता रहता है अतः परीक्षक पूर्ववर्ती प्रष्न पत्र को प्रमाण न माने।

विस्तृत अंक योजना :–

इकाई – 1

(अ) दो व्याख्याएँ विनय पत्रिका से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

इकाई – 2

(अ) दो व्याख्याएँ सूर सौरभ से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।

शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

इकाई – 3

(अ) दो व्याख्याएँ मीरां पदावली से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
षब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

इकाई – 4

(अ) दो व्याख्याएँ बिहारी रत्नाकर से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

इकाई – 5

(अ) दो व्याख्याएँ घनानन्द कवित्त से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

सहायक ग्रन्थ :–

1. सूर की काव्य कला – डॉ. मनमोहन गौतम, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली
2. अष्टछाप और बल्लभ सम्प्रदाय–डॉ. दीनदयाल गुप्त, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
3. सूर और उनका साहित्य – हरिवंशलाल शर्मा
4. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य– डॉ. मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
6. लोकवादी तुलसीदास – विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. तुलसी और उनका युग–जयकिशन प्रसाद, रवीन्द्र प्रकाशन, आगरा
8. भारतीय साधना और सूर साहित्य–डॉ. मुंशीराम शर्मा, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर
9. तुलसीदास – सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
10. तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह
11. भक्ति काव्य और भक्ति आन्दोलन – शिवकुमार मिश्र

12. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि—डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद प्रकाशन मंदिर, आगरा
13. बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
14. मुक्तक काव्य परम्परा और बिहारी – डॉ. रामसागर त्रिपाठी
15. बिहारी – डॉ. रामदेव शुक्ल
16. बिहारी काव्य वैभव – डॉ. विजयपाल सिंह
17. मीरांबाई – कल्याणसिंह शेखावत
18. घनानन्द – डॉ. चन्द वर्मा, रविन्द्र प्रकाशन, आगरा
19. घनानन्द का काव्य – रामदेव शुक्ल
20. रीतिकाव्य धारा – डॉ. रामचन्द्र तिवारी, डॉ. रामचन्द्र त्रिपाठी
21. घनानन्द का काव्य वैभव – डॉ. मनोहरलाल गौड़
22. मीरां : जीवन और काव्य – सी. एल. प्रभात
23. गोसाईं तुलसीदास – विश्वनाथ मिश्र
24. बिहारी का मूल्यांकन – डॉ. बच्चन सिंह
25. घनानन्द काव्य और आलोचना – किशोरी लाल
26. हिन्दी के प्राचीन कवि – डॉ. विमल
27. मीरां माधव – डॉ. नन्दकिशोर आचार्य

एम0 ए0 उत्तरार्द्ध

प्रथम प्रश्न पत्र – गद्य साहित्य

समय 3 घण्टे **उत्तीर्णांक – 36** **पूर्णांक 100**

पाठ्य ग्रन्थ :–

इकाई – 1

1. **गोदान** (प्रेमचन्द)

हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास, शीर्शक की सार्थकता, गोदान में किसान जीवन, तत्कालीन भारतीय जीवन की समस्याएँ, गोदान में गाँव और शहर, महाकाव्यत्व, प्रमुख चरित्र, परम्परागत नायकत्व से विद्रोह, गोदान में यथार्थ और आदर्श, गोदान की भाषा, गोदान का शिल्प वैशिष्ट्य।

इकाई – 2

2. **स्कन्दगुप्त** (प्रसाद)

हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास, हिन्दी नाटक और प्रसाद, स्कन्दगुप्त में इतिहास और कल्पना, राष्ट्रीय और सांस्कृतिक चेतना, रंगमंचीयता, प्रमुख पात्र, नाट्य शिल्प, भाषा।

इकाई – 3

3. **कथान्तर** (सं. परमानन्द श्रीवास्तव, गिरीश रस्तोगी)

संकलित कहानियाँ :–

1. उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
2. आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
3. कफन – प्रेमचन्द

4. पत्नी – जैनेन्द्र कुमार
5. गैंग्रीन – अज्ञेय
6. गदल – रांगेय राघव
7. लाल पान की बेगम – फणीश्वरनाथ रेणु
8. गुलकी बन्नो – धर्मवीर भारती
9. दोपहर का भोजन – अमरकान्त
10. सेब – रघुवीर सहाय
11. पहाड़ – निर्मल वर्मा
12. दिल्ली में एक मौत – कमलेश्वर
13. वापसी – उशा प्रियम्वदा
14. पाल गोमरा का स्कूटर – उदय प्रकाश

हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास, प्रमुख कहानी आन्दोलन, प्रसाद स्कूल और प्रेमचन्द स्कूल, संकलित कहानीकारों का कहानी लेखन में स्थान, संकलित कहानियों की मूल संवेदना और उद्देश्य, संकलित कहानियों का तात्त्विक अध्ययन, संकलित कहानियों की कहानी कला।

इकाई – 4

4. **चेतना का संस्कार** (सं. विश्वनाथ तिवारी) वाणी प्रकाशन, दिल्ली

हिन्दी निबन्ध का उद्भव और विकास, संकलित निबन्धकारों का निबन्ध लेखन में स्थान, संकलित निबन्धों का मूल भाव और उद्देश्य, संकलित निबन्धों की भाषा–शैली।

संकलित निबन्ध :–

1. साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास – बालकृष्ण भट्ट
2. साहित्य का उद्देश्य (प्रगतिशीलता) – प्रेमचन्द
3. कविता क्या है ? – रामचन्द्र शुक्ल
4. नवीन यथार्थवाद – नन्ददुलारे वाजपेयी
5. भारतीय संस्कृति – गुलाबराय
6. हिन्दी की प्रयोगवादी कविता – डॉ. नगेन्द्र
7. यथार्थ और आदर्श – महादेवी वर्मा
8. कुटज – हजारी प्रसाद द्विवेदी
9. तुलसी साहित्य के सामन्त विरोधी मूल्य – डॉ. रामविलास शर्मा
10. संवत्सर – अज्ञेय
11. मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र
12. उत्तराफाल्गुनी के आसपास – कुबेरनाथ राय

इकाई – 5

5. **अतीत के चलचित्र – महादेवी वर्मा**

संस्मरण तथा रेखाचित्र का उद्भव और विकास, संस्मरण और रेखाचित्र में अन्तर, संस्मरण और रेखाचित्र लेखन में महादेवी वर्मा का स्थान, अतीत के चलचित्र में संकलित रचनाओं की संवेदना और शिल्प।

परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रश्न पत्र इकाइयों में विभक्त हो।
2. प्रत्येक इकाई से निर्देशानुसार व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाए।
3. प्रत्येक इकाई से व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों को निरन्तर क्रम से पूछा जाए।
4. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ बदलाव होता रहता है अतः परीक्षक पूर्ववर्ती प्रश्न पत्र को प्रमाण न माने।

विस्तृत अंक योजना :–

इकाई – 1

(अ) दो व्याख्याएँ गोदान से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

इकाई – 2

(अ) दो व्याख्याएँ चन्द्रगुप्त नाटक से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रष्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

इकाई – 3

(अ) दो व्याख्याएँ कथान्तर से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

इकाई – 4

(अ) दो व्याख्याएँ चेतना के संस्कार से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

इकाई – 5

(अ) दो व्याख्याएँ अतीत के चलचित्र से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

सहायक पुस्तकें :–

1. हिन्दी कहानी : समीक्षा और सन्दर्भ – विवेकी राय

2. हिन्दी उपन्यास (नवीन संस्करण) – शिवनारायण श्रीवास्तव, वाराणसी
3. आज का हिन्दी उपन्यास – डॉ. इन्द्रनाथ मदान
4. हिन्दी उपन्यास : उपलब्धियाँ – डॉ.लक्ष्मीसागरवार्ष्णेय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा –डॉ.रामदरशमिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. गोदान : अध्ययन की समस्याएँ – गोपाल राय
7. हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन – डॉ. एस. एन. गणेशन
8. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – डॉ. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
9. नाट्यकला – डॉ.रघुवंश, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली
10.प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक – डॉ. जगदीशचन्द्रजोशी,आत्मारामएंडसंस, दिल्ली
11. कहानियों की शिल्प विधि का विकास – डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल,साहित्य भवन प्रा. लि.,इलाहाबाद
12.हिन्दी कहानी में स्वरूप और संवेदना – डॉ. साधना शाह
13. हिन्दी के प्रतिनिधि निबन्धकार – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, मंदिर, आगरा
14. हिन्दी निबन्ध का विकास – ओंकार नाथ शर्मा
15. निबन्ध : राधाकृष्ण मूल्यांकन माला – अभिव्यक्ति प्रकाशन, लोकभारती मूल्यांकन माला
16. कहानी : नयी कहानी – डॉ. नामवर सिंह
17. हिन्दी कहानी : एक अंतरंग पहचान – रामदरश मिश्र
18. प्रेमचन्द कहानी कला–प्रसाद कहानी कला – राधाकृष्ण मूल्यांकन माला, अभिव्यक्ति प्रकाशन
19. जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला – रामेश्वर खण्डेलवाल
20. प्रसाद का नाट्यशिल्प – बनवारीलाल हांडा
21. प्रेमचन्द और उनका युग – रामविलास षर्मा

द्वितीय प्रश्न पत्र : आधुनिक काव्य

समय : 3 घण्टे उत्तीर्णांक : 36 पूर्णांक : 100

इकाई – 1

1. **कामायनी (चिन्ता, श्रद्धा, लज्जा)** – जयशंकर प्रसाद
हिन्दी महाकाव्य : उद्भव और विकास, कामायनी का महाकाव्यत्व कामायनी में छायावादी तत्त्व, रूपकत्व, दर्शन, प्रमुख पात्र, प्रासंगिकता, उद्देश्य, प्रतीक योजना, काव्य सौष्ठव।

इकाई – 2

2. **साकेत (नवम सर्ग)** – मैथिलीशरण गुप्त
नामकरण, प्रेरणास्रोत, महाकाव्यत्व, नारी भावना, राम काव्य परम्परा में साकेत का स्थान, उर्मिला का विरह, उर्मिला की चरित्र, नवम सर्ग का वैशिष्ट्य, प्रकृति चित्रण, युगबोध, उद्देश्य, संस्कृति निरूपण, भक्ति और दर्शन, काव्य सौष्ठव।

इकाई – 3

3. **आयाम** – अज्ञेय, शमशेर, केदारनाथ अग्रवाल, गिरिजाकुमार माथुर, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना और श्रीकान्त वर्मा।
कविता का आधुनिक स्वरूप,कवियों की काव्य शैली, विचार एवं जीवन दर्शन।

इकाई – 4

4. **दीर्घ कविता (राम की शक्ति पूजा (निराला), परिवर्तन (पंत), अंधेरे में – मुक्तिबोध)**

प्रबन्धात्मकता और दीर्घ कविता, दीर्घ कविता परम्परा और उसमें संकलित दीर्घ कविताओं का स्थान, दीर्घ कविता का शिल्प–विधान, संकलित दीर्घ कविताओं की मूल संवेदना, उद्देश्य और भाषा–शिल्प, काव्य सौष्ठव।

इकाई – 5

5. **वाजश्रवा के बहाने** – कुँवर नारायण
वाजश्रवा में मिथकीय चेतना, आधुनिकता बोध, प्रासंगिकता, नचिकेता का आत्म संघर्ष, काव्य सौष्ठव।

परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रश्न पत्र इकाइयों में विभक्त हो।
2. प्रत्येक इकाई से निर्देशानुसार व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाए।
3. प्रत्येक इकाई से व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों को निरन्तर क्रम से पूछा जाए।
4. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ बदलाव होता रहता है अतः परीक्षक पूर्ववर्ती प्रश्न पत्र को प्रमाण न माने।

विस्तृत अंक योजना :–

इकाई – 1

(अ) दो व्याख्याएँ कामायनी से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

इकाई – 2

(अ) दो व्याख्याएँ साकेत से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

इकाई – 3

(अ) दो व्याख्याएँ आयाम से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

इकाई – 4

(अ) दो व्याख्याएँ दीर्घ कविताओं से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

इकाई – 5

(अ) दो व्याख्याएँ वाजश्रवा के बहाने से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

सहायक पुस्तकें :–

1. कामायनी में काव्य संस्कृति दर्शन– डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक भंडार, आगरा
2. कश्मीर शैव दर्शन और कामायनी – डॉ. भंवर जोशी, चौखम्बा, संस्कृति सीरीज, वाराणसी
3. साकेत : एक अध्ययन – डॉ. नगेन्द्र
4. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक भंडार, आगरा
5. नई कविता : नये धरातल – डॉ. हरिचरण शर्मा, पदम प्रकाशन, पटना
6. शुद्ध कविता की खोज –रामधारीसिंह दिनकर
7. कविता के नये प्रतिमान – डॉ. नामवर सिंह
8. युगचारण दिनकर – डॉ. सावित्री सिन्हा
9. दिनकर के काव्य – लालधर त्रिपाठी, प्रवासी आनन्द पुस्तक भवन, वाराणसी
10. दिनकर के काव्य में युग चेतना – डॉ. पन्ना, उषा पब्लिशिंग हाऊस, जयपुर–जोधपुर
11. नयी कविता के प्रबन्ध काव्य : शिल्प और जीवन दर्शन – डॉ. उमाकान्त
12. निराला की काव्य साधना – डॉ. रामविलास शर्मा
13. निराला काव्य की ज्ञानदीप चेतना – रमेश चन्द्र मिश्र
14. प्रसाद की कामायनी – डॉ. मुंशीराम शर्मा
15. कामायनी अनुशीलन – डॉ. रामलाल सिंह
16. कामायनी सौन्दर्य – डॉ. फतेह सिंह
17. हिन्दी के आधुनिक महाकाव्य – डॉ. गोविन्द राम शर्मा
18. मैथिलीशरण गुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति के व्याख्याता – डॉ. उमाकान्त गोयल
19. हिन्दी महाकाव्य का स्वरूप विकास – डॉ. शम्भू सिंह
20. कामायनी का प्रवृत्तिमूलक अध्ययन – डॉ. कामेश्वर प्रसाद सिंह

तृतीय प्रश्न पत्र : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

समय : 3 घण्टे उत्तीर्णांक : 36

पूर्णांक : 100

इकाई – 1

भाशा और भाषा विज्ञान :–

1. भाषा तथा विज्ञान की परिभाषा, भाषा का महत्त्व।
2. भाषा की प्रकृति तथा अन्य ज्ञान शाखाओं से भाषा विज्ञान का सम्बन्ध।
3. भाषा विज्ञान में अध्ययन के विभाग।
4. भाषा की उत्पति तथा संसार की भाषाओं का वर्गीकरण (आकृतिमूलक एवं पारिवारिक)।
5. भाषा विकास के कारण।
6. भाषा के विविध रूप – उच्चरित और लिखित भाषा, मूलभाषा, राश्ट्रभाषा, मातृभाषा, परिनिष्ठित भाषा, राजभाषा, कूट भाषा, कृत्रिम भाषा, बोली।

इकाई – 2

ध्वनि–विज्ञान :–

1. ध्वनि की परिभाशा और उसका वैज्ञानिक आधार एवं विश्लेषण।
2. ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।
3. ध्वनि परिवर्तन के प्रकार, बलाघात एवं स्तर।
4. ध्वनि नियम, ग्रिम नियम, ग्रासमान नियम, बर्नर नियम, तालव्य भाव नियम।

5. हिन्दी से सम्बद्ध विशिष्ट ध्वनि नियमों का व्यावहारिक ज्ञान।

रूप–विज्ञान :–

1. शब्द और उसकी निर्माण पद्धति।
2. पद निर्माण पद्धति और उसके भेद।
3. सम्बन्ध–तत्त्व के विविध प्रकार।
4. सम्बन्ध–तत्त्व एवं अर्थ तत्त्व।
5. रूप परिवर्तन की दिशाएँ।

इकाई – 3

वाक्य–विज्ञान :–

1. वाक्य की परिभाषा
2. वाक्य विश्लेषण
3. वाक्य के प्रकार

अर्थ–विज्ञान :–

अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ विज्ञान का क्षेत्र। अर्थ परिवर्तन के कारण, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, बौद्धिक नियम।

प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्य भाषाएँ – वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश भाषाएँ।

इकाई – 4

आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ :–

1. भौगोलिक परिचय
2. वर्गीकरण और तत्सम्बन्धी विविधता
3. भाषा वैज्ञानिक परिचय

हिन्दी भाषा संरचना :–

1. नामकरण तथा विकास की विविध स्थितियाँ, हिन्दी का उद्भव और विकास।
2. हिन्दी भाषा का क्षेत्र, हिन्दी की उपभाषाएँ तथा बोलियाँ, खड़ी बोली (नामकरण, क्षेत्र, साहित्य, विशेषताएँ), हिन्दू, उर्दू और हिन्दुस्तानी।
3. हिन्दी का राष्ट्रभाषा व राजभाषा रूप।
4. हिन्दी शब्द स्रोत ध्वनि, हिन्दी की शब्दावली, हिन्दी शब्दों का वर्गीकरण (अर्थ, उत्पत्ति, व्युत्पत्ति और रूप परिवर्तन के आधार पर), शब्द संरचना के संघटक तत्त्व (उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास)।
5. हिन्दी के व्याकरणिक रूप (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया–विशेषण, लिंग, वचन, कारक, काल)।

इकाई – 5

लिपि व देवनागरी लिपि :–

1. भाषा एवं लिपि का सम्बन्ध और विकास, लिपि – अर्थ और स्वरूप।
2. भारत की प्राचीन लिपियाँ (ब्राह्मी, खरोष्ठी)।
3. देवनागरी लिपि – उत्पत्ति, नामकरण और विकास की विभिन्न स्थितियाँ, वैज्ञानिकता और गुण–दोष, विशेषताएँ, नागरी–लिपि में संशोधन के प्रस्ताव (लिपि–सुधार आन्दोलन) और मानकीकरण, मानक स्वरूप और हिन्दी वर्तनी का मानकीकरण।
4. हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि :–
   1. वर्ग, अक्षर और ध्वनि।
   2. हिन्दी वर्णमाला (स्वर और व्यंजन)।
      स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनों का वर्गीकरण, हिन्दी की प्रचलित ध्वनियाँ।

परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रश्न पत्र इकाइयों में विभक्त हो।
2. प्रत्येक इकाई से निर्देशानुसार व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाए।
3. प्रत्येक इकाई से व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों को निरन्तर क्रम से पूछा जाए।
4. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ बदलाव होता रहता है अतः परीक्षक पूर्ववर्ती प्रश्न पत्र को प्रमाण न माने।

विस्तृत अंक योजना :–

इकाई – 1

(अ) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 500 शब्द अंक – 12 1x12=12

(ब) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 120 शब्द अंक – 4 1x4=4

(स) चार अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो प्रश्न करने होंगे।
शब्द सीमा – 40 शब्द अंक – 2 2x2=4

इकाई – 2

(अ) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 500 शब्द अंक – 12 1x12=12

(ब) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 120 शब्द अंक – 4 1x4=4

(स) चार अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो प्रश्न करने होंगे।
शब्द सीमा – 40 शब्द अंक – 2 2x2=4

इकाई – 3

(अ) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 500 शब्द अंक – 12 1x12=12

(ब) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 120 शब्द अंक – 4 1x4=4

(स) चार अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो प्रश्न करने होंगे।
शब्द सीमा – 40 शब्द अंक – 2 2x2=4

इकाई – 4

(अ) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 500 शब्द अंक – 12 1x12=12

(ब) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 120 शब्द अंक – 4 1x4=4

(स) चार अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो प्रश्न करने होंगे।
शब्द सीमा – 40 शब्द अंक – 2 2x2=4

इकाई – 5

(अ) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 500 शब्द अंक – 12 1x12=12

(ब) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 120 शब्द अंक – 4 1x4=4

(स) चार अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो प्रश्न करने होंगे।
शब्द सीमा – 40 शब्द अंक – 2 2x2=4

सहायक पुस्तकें :–

1. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. शिवशंकर प्रसाद
2. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद

3. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी निरूक्त – किशोरीदास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी भाषा का इतिहास – डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
6. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – डॉ. उदयनारायण तिवारी
7. भारतीय आर्य भाषाओं का इतिहास – डॉ, जगदीश प्रसाद दीक्षित, अपोलो प्रकाशन, जयपुर
8. हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक व्याकरण – डॉ. मातादयाल जायसवाल
9. नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ – डॉ. नरेश सिंह, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक
10. हिन्दी भाषा – डॉ. हरदेव बाहरी
11. हिन्दी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी
12. व्यावहारिक सामान्य हिन्दी – डॉ. राघव प्रकाश
13. हिन्दी भाषा और उसका विकास – हनुमानप्रसाद शुक्ल
14. हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि का इतिहास – प्राज्ञ कुमार शर्मा
15. राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान – देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. भाषा विज्ञान और भाषाशास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
17. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि – डॉ. भोलानाथ तिवारी
18. देवनागरी लिपि – देवेन्द्रनाथ शर्मा
19. हिन्दी भाषा का विकास – धीरेन्द्र शर्मा
20. मानक हिन्दी की व्याकरणिक विशेषताएँ – देवेन्द्रनाथ शर्मा
21. भाषा विज्ञान – डॉ. बहादुर सिंह

ऐच्छिक चतुर्थ प्रश्न पत्र

निम्नलिखित विकल्पों में से किसी एक को चुनना होगा।

(1) राजस्थानी भाषा और साहित्य

समय 3 घण्टे **उत्तीर्णांक – 36** **पूर्णांक 100**

इकाई – 1

1. **राजस्थानी निबन्ध संग्रह** – सं. डॉ. किरण नाहटा एवं गजादान चारण

1. लाख पसाव
2. मिनख अर मानखो
3. राजस्थानी लोक साहित्य में रूंख
4. काह चिणावै मैड़िया
5. हथाई
6. आज रो समाज
7. बलि
8. समय री ऊर्जा
9. रीस
10. सुरंगी संस्कृति रा सैनाण
11. उत्तम खेती मध्यम बाण
12. ईसरा सो परमेसरा
13. राजस्थानी जन जीवण में नितनेम
14. मोटो ठाकर मेह

निबन्धों का महत्त्व, तात्त्विक विष्लेशण, भाशा षैली।

इकाई – 2

2. **धरम जुद्ध (नाटक)** – अर्जुनदेव चारण (प्रथम नाटक)

नाटक का उद्भव और विकास, आधुनिकता बोध, रंगमंचीयता, तात्त्विक विश्लेषण, शिल्प विधान।

इकाई – 3

3. **अचलदास खीची री वचनिका** – सं. भूपतिराम साकरिया

वचनिका का अर्थ, साहित्यिक सौन्दर्य, रस–विवेचना, महत्त्व, अचनदास का चरित्र–चित्रण, भाषा–सौन्दर्य।

इकाई – 4

4. **वेलि क्रिसन रुकमणी री** (रुक्मणी श्रृंगार वर्णन, रुक्मणी हरण, युद्ध वर्णन, रुक्मणी–कृष्ण मिलन) – पृथ्वीराज राठौड़ (सं. – नरोत्तम दास स्वामी)

नामकरण, वेलि ग्रन्थों की परम्परा, प्रवृत्तियाँ, काव्य–सौन्दर्य, कथास्रोत, शृंगार–निरूपण, प्रकृति चित्रण, भक्ति भावना, भाषा शैली, वर्णन की प्रधानता।

इकाई – 5

5. **स्वतन्त्रता री जोत** – सं. डॉ. ब्रज नारायण पुरोहित
राष्ट्रीय चेतना, काव्य सौष्ठव, अनुभूति पक्ष, शिल्प विधान।

परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रश्न पत्र इकाइयों में विभक्त हो।
2. प्रत्येक इकाई से निर्देशानुसार व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाए।
3. प्रत्येक इकाई से व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों को निरन्तर क्रम से पूछा जाए।
4. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ बदलाव होता रहता है अतः परीक्षक पूर्ववर्ती प्रश्न पत्र को प्रमाण न माने।

विस्तृत अंक योजना :–

इकाई 1

(अ) दो व्याख्याएँ **निबंध संग्रह** से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक 7 1x7= 7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 400 शब्द अंक 10 1x10 =10

(स) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 100 शब्द अंक 3 1x3 = 3

इकाई 2

(अ) दो व्याख्याएँ **धरम जुद्ध** नाटक से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक 7 1x7= 7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 400 शब्द अंक 10 1x10 =10

(स) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 100 शब्द अंक 3 1x3 = 3

इकाई 3

(अ) दो व्याख्याएँ **वचनिका** से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक 7 1x7= 7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 400 शब्द अंक 10 1x10 =10

(स) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 100 शब्द अंक 3 1x3 = 3

इकाई 4

(अ) दो व्याख्याएँ **वेली किसन रूकमणी** री से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक 7 1x7= 7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 400 शब्द अंक 10 1x10 =10

(स) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 100 शब्द अंक 3 1x3 = 3

इकाई 5

(अ) दो व्याख्याएँ **स्वतंत्रता री जोत** से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी

होगी।

शब्द सीमा – 200 शब्द अंक 7 1x7= 7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।

शब्द सीमा 400 शब्द अंक 10 1x10 =10

(स) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।

शब्द सीमा 100 शब्द अंक 3 1x3 = 3

सहायक पुस्तकें –

1. राजस्थानी भाषा :– डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी, राजस्थानी साहित्य शोध संस्थान, उदयपुर।
2. पुरानी राजस्थानी :– डॉ. तैस्सितोरी, अनु. डॉ. नामवर सिंह, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी।
3. राजस्थानी व्याकरण :– सीताराम लालस, जोधपुर।
4. संक्षिप्त राजस्थानी व्याकरणः– नरोत्तमदास स्वामी, शार्दुल राजस्थान रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर।
5. पूर्वी राजस्थानी उद्भव और विकास :– डॉ. कन्हैयालाल शर्मा।
6. राजस्थानी भाषा साहित्य :– डॉ. मोतीलाल मेनारिया, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
7. राजस्थानी भाषा का सर्वेक्षण :– अनु. डॉ. आत्माराम जासोरिया, राजस्थानी भाषा प्रचार सभा जयपुर।
8. राजस्थानी हिन्दी शब्द कोश भाग 2 :– डॉ. भूपतिराम साकरिया तथा बद्री प्रसाद साकरिया, पंचशील प्रकाश, जयपुर।
9. ढोला मारू रा दूहा एक अध्ययन :– डॉ. कृष्ण बिहारी सहल, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली।
10. राजस्थानी वेलि साहित्य, डॉ. नरेन्द्र भानावत राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर।
11. राजस्थानी गद्य उद्भव और विकास :– सं. डॉ. शिवकुमार शर्मा (अचल), शार्दुल राजस्थान रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर।
12. राजस्थानी साहित्य का इतिहास :– डॉ. हीरालाल माहेश्वरी, प्र. केन्द्रीय साहित्य आकादमी, नई दिल्ली।
13. राजस्थानी और हिन्दी के कुछ साहित्य सन्दर्भ :– प्र. राजस्थान प्रचार सभा मीरा मार्ग बनीपार्क, जयपुर।
14. वेलि क्रिसन रुकमणी री :– सं. डॉ. आनन्द प्रकाश दीक्षित, विश्व विद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
15. अचलदास खीची री वचनिका– सं. डॉ. मुकुन्दनारायण पुरोहित

(2) तुलसीदास

समय 3 घण्टे **उत्तीर्णांक – 36** **पूर्णांक 100**

इकाई – 1

रामचरितमानस (अयोध्याकाण्ड)

प्रबन्धात्मकता, काव्य सौन्दर्य, आदर्श रूप, राम काव्य परम्परा, लोकमंगल, रस योजना, चित्रकूट सभा का महत्त्व, तुलसी का युगबोध, समन्वय, लोकनायकत्व, भारतीय समाज में रामचरितमानस का स्थान, भाषा–शैली, शिल्प विधान।

इकाई – 2

विनय पत्रिका

तुलसी साहित्य में विनय पत्रिका का स्थान, भावानुभूति, मुक्तक काव्य की दृष्टि में तुलसी का मूल्यांकन, लोकमंगल की अवधारणा, समन्वय, भाषा–शैली, शिल्प–विधान।

इकाई – 3

कवितावली (उत्तरकाण्ड)

वस्तु विधान, काव्य रूप, रस योजना, दर्शन, यथार्थ बोध, प्रासंगिकता, काव्य सौष्ठव।

इकाई – 4

गीतावली (बालकाण्ड एवं अयोध्याकाण्ड)

प्रामाणिकता, मुक्तक काव्य की दृष्टि से मूल्यांकन, वात्सल्य निरूपण, काव्य सौष्ठव।

इकाई – 5

तुलसी साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि

आध्यात्मिक दर्शन, समाज दर्शन, काव्य दृष्टि।

परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रश्न पत्र इकाइयों में विभक्त हो।
2. प्रत्येक इकाई से निर्देशानुसार व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाए।
3. प्रत्येक इकाई से व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों को निरन्तर क्रम से पूछा जाए।
4. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ बदलाव होता रहता है अतः परीक्षक पूर्ववर्ती प्रश्न पत्र को प्रमाण न माने।

विस्तृत अंक योजना :–

इकाई 1

(अ) दो व्याख्याएँ **रामचरित मानस** (अयोध्याकाण्ड) से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 400 शब्द अंक 10 1x10=10

(स) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 100 शब्द अंक 3 1x3=3

इकाई 2

(अ) दो व्याख्याएँ **विनय पत्रिका** से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 400 शब्द अंक 10 1x10=10

(स) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 100 शब्द अंक 3 1x3=3

इकाई 3

(अ) दो व्याख्याएँ **कवितावली** (उत्तरकाण्ड) से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 400 शब्द 1x10=10

(स) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 100 शब्द अंक 3 1x3=3

इकाई 4

(अ) दो व्याख्याएँ **गीतावली** (बालकाण्ड एवं अयोध्याकाण्ड) से पूछी जाएँगी जिनमें से

एक व्याख्या करनी होगी।

शब्द सीमा – 200 शब्द अंक 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।

शब्द सीमा 400 शब्द अंक 10 1x10=10

(स) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।

शब्द सीमा 100 शब्द अंक 3 1x3=3

इकाई 5

(अ) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।

शब्द सीमा 500 शब्द अंक 12 1x12 =12

(ब) आठ लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्न करने होंगे।

शब्द सीमा 50 शब्द अंक 4 2x4 = 8

सहायक ग्रन्थ :–

1. गोस्वामी तुलसीदास :– रामचन्द्र शुक्ल, ना. प्र. सभा, वाराणसी।
2. तुलसीदास और उनका युग :– राजपति दीक्षित, ज्ञानमण्डल, वाराणसी।
3. तुलसीदास :– डॉ. माताप्रसाद गुप्त, हिन्दी परिषद, इलाहाबाद।
4. तुलसी दर्शन :– बलदेवप्रसाद मिश्र, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
5. तुलसीदास :– चन्द्रबली पाण्डेय, ना.प्र. सभा, वाराणसी।
6. रामचरितमानस का काव्यशास्त्रीय अनुशीलन :– डॉ. रामकुमार पाण्डेय, अनुसंधान प्रकाशन, जयपुर।
7. आधुनिक वातायन से :– रमेश कुमार मेघ।
8. तुलसी के भक्त्यात्मक गीत :– डॉ. वचनदेव कुमार।
9. लोकवादी तुलसीदास :– विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. तुलसीदास :– सम्पादक – विश्वनाथ, प्रसाद तिवारी।
11. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि :– डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद प्रकाशन, आगरा।
12. तुलसी और उनका युग :– जयकिशन प्रसाद, रविन्द्र प्रकाशन, आगरा।
13. गोसांई तुलसीदास :– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
14. हिन्दी के प्राचीन कवि :– डॉ. विमल।

(3) सूरदास

समय 3 घण्टे उत्तीर्णांक – 36 पूर्णांक 100

इकाई – 1

सूर का जन्म और व्यक्तित्व

तत्कालीन परिस्थितियाँ, जीवनवृत्त, ग्रंथों की प्रामाणिकता, पुष्टिमार्ग और भक्ति भावना, अष्टछाप के कवियों में सूर का स्थान, सूर का कवित्व एवं काव्य कला, सूर का दर्शन, कृष्ण काव्य परम्परा में सूर का स्थान।

इकाई – 2

सूर साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

सूर साहित्य का रीतिकालीन साहित्य पर प्रभाव, सूर की भक्ति पद्धति, जीवन दर्शन व काव्य दृष्टि

इकाई – 3

सूरसागर सार (सं. धीरेन्द्र वर्मा) साहित्य भवन इलाहबाद– बाल लीला

काव्यत्व, दर्शन, लीला भेद, काव्य शिल्प।

इकाई – 4

सूरसागर सार (सं. धीरेन्द्र वर्मा) – संयोग श्रृंगार

नायक–नायिका भेद, प्रतिपाद्य, अलंकार योजना, चित्रात्मकता, काव्य सौष्ठव।

इकाई – 5

सूरसागर सार (सं. धीरेन्द्र वर्मा) – वियोग श्रृंगार

अलंकार योजना, चित्रात्मकता, काव्य सौष्ठव, सूर की सहृदयता और वाग्विदग्धता, गीति काव्य और सूर, भक्ति भावना, प्रकृति चित्रण और काव्य भाषा।

परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रश्न पत्र इकाइयों में विभक्त हो।
2. प्रत्येक इकाई से निर्देशानुसार व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाए।
3. प्रत्येक इकाई से व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों को निरन्तर क्रम से पूछा जाए।
4. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ बदलाव होता रहता है अतः परीक्षक पूर्ववर्ती प्रश्न पत्र को प्रमाण न माने।

विस्तृत अंक योजना :–

इकाई 1

(अ) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 500 शब्द अंक 12 1x12=12

(ब) आठ लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्न करने होगे।
शब्द सीमा 50 शब्द अंक 4 2x4 = 8

इकाई 2

(अ) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 500 शब्द अंक 12 1x12 =12

(ब) आठ लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्न करने होगे।
शब्द सीमा 50 शब्द अंक 4 2x4=8

इकाई 3

(अ) दो व्याख्याएँ सूरसागर सार – बाल लीला से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

इकाई – 4

(अ) दो व्याख्याएँ सूरसागर सार – संयोग श्रृंगार से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

इकाई – 5

(अ) दो व्याख्याएँ सूरसागर सार – वियोग श्रृंगार से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।

शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।

शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

सहायक ग्रन्थ :–

1. सूरदास – रामचन्द्र शुक्ल, सरस्वती मंदिर, वाराणसी।
2. सूर निर्णय – प्रभुदयाल मित्तल, साहित्य संस्थान, मथुरा।
3. सूर सौरभ – डॉ. मुंशीराम शर्मा।
4. सूरदास की काव्य कला – डॉ. मनमोहन गौतम, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली।
5. सूरदास – डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा, हिन्दी परिषद्, इलाहाबाद।
6. सूरदास – सं. हरवंशलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. सूर साहित्य – सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी
8. अष्टछाप और बल्लभ सम्प्रदाय – दीनदयाल गुप्त, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
9. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – डॉ. मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि–डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद प्रकाशन, आगरा।

(4) प्रेमचन्द

समय 3 घण्टे **उत्तीर्णांक – 36** **पूर्णांक 100**

इकाई – 1

कुछ विचार (निबन्ध)

प्रेमचन्द के निबन्ध और गद्य–शैली, प्रेमचन्द के अनुसार – साहित्य का उद्देश्य, साहित्य के तत्त्व, उपन्यास और कहानी पर विचार, कला सम्बन्धी विचार, राष्ट्रभाषा और साहित्य का सम्बन्ध, साहित्य सम्बन्धी विचार, राष्ट्रभाषा, लिपि–विचार, प्रेमचन्द का आदर्श और यथार्थ।

इकाई – 2

कर्मभूमि (उपन्यास)

कथानक की कलात्मकता, प्रमुख चरित्र, चरित्र चित्रण की विशेषताएँ, नायकत्व, भारत की तात्कालिक परिस्थितियाँ, समसामयिक जीवन की समस्याएँ, भाषा–शैली, औपन्यासिक शिल्प।

इकाई – 3

रंगभूमि (उपन्यास)

कथानक की कलात्मकता, प्रमुख चरित्र, चरित्र चित्रण की विशेषताएँ, रंगभूमि में औद्योगिक विकास की हानियाँ, गाँधीवादी विचारधारा, उद्देश्य, भाषा–शैली, औपन्यासिक शिल्प।

इकाई – 4

मानसरोवर–भाग 1 (कहानी संग्रह) : प्रकाशन – मयूर पेपर बैक्स, दिल्ली

संकलित कहानियाँ :– (1). अलग्योझा (2). ईदगाह (3). माँ (4). बेटों वाली विधवा (5). बड़े भाईसाहब (6). शांति (7). नशा (8). स्वामिनी (9). ठाकुर का कुँआ (10). घर जमाई (11). पूस की रात (12). झांकी (13). गुल्ली–डण्डा (14). ज्योति (15). दिल की रानी (16). धिक्कार (17). कायर (18). शिकार (19). सुभागी (20). अनुभव (21). लांछन (22). आखिरी हीला (23). तावान (24). घासवाली (25). गिला (26). रसिक सम्पादक (27). मनोवृत्ति

प्रेमचन्द की कहानी कला, कहानियों का वैशिष्ट्य, कहानियों का तात्विक विश्लेषण, कहानियों के उद्देश्य, भाषा–शैली, शिल्प।

इकाई – 5

कर्बला (नाटक)

नाटककार के रूप में प्रेमचन्द, नाटक का कथ्य, पात्र योजना, विशेषताएँ, रंगमंचीयता, शिल्प।

परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रश्न पत्र इकाइयों में विभक्त हो।
2. प्रत्येक इकाई से निर्देशानुसार व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाए।
3. प्रत्येक इकाई से व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों को निरन्तर क्रम से पूछा जाए।
4. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ बदलाव होता रहता है अतः परीक्षक पूर्ववर्ती प्रश्न पत्र को प्रमाण न माने।

विस्तृत अंक योजना :–

इकाई 1

(अ) दो व्याख्याएँ **निबन्ध** से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 400 शब्द अंक 10 1x10=10

(स) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 100 शब्द अंक 3 1x3=3

इकाई 2

(अ) दो व्याख्याएँ **कर्मभूमि (उपन्यास)** से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 400 शब्द अंक 10 1x10=10

(स) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 100 शब्द अंक 3 1x3=3

इकाई 3

(अ) दो व्याख्याएँ **रंगभूमि (उपन्यास)** से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 400 शब्द अंक 10 1x10=10

(स) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 100 शब्द अंक 3 1x3=3

इकाई 4

(अ) दो व्याख्याएँ **मानसरोवर भाग 1** (कहानी संग्रह) से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 400 शब्द अंक 10 1x10=10

(स) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 100 शब्द अंक 3 1x3=3

इकाई 5

(अ) दो व्याख्याएँ **कर्बला नाटक** से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।

शब्द सीमा – 200 शब्द अंक 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 400 शब्द अंक 10 1x10=10

(स) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 100 शब्द अंक 3 1x3=3

सहायक ग्रन्थ :–

1. प्रेमचन्द पुनर्मूल्यांकन :– शम्भूनाथ।
2. प्रेमचन्द की उपन्यास यात्रा :– नवमूल्यांकन, डॉ. शैलेजा जैदी।
3. प्रेमचन्द :– डॉ. रामविलास शर्मा।
4. प्रेमचन्द कथा कोश :– डॉ. कमल किशोर गोयनका।
5. प्रेमचन्द :– राधाकृष्ण मूल्यांकन माला, अभिव्यक्ति प्रकाशन, लोक भारतीय मूल्यांकन माला।
6. प्रेमचन्द और कहानी कला :– डॉ. सत्येन्द्र।
7. कलम का सिपाही :– अमृतराय।
8. प्रेमचन्द :– सं. डॉ. विश्वनाथ तिवारी।
9. समस्यामूलक उपन्यासकार :– डॉ. महेन्द्र भटनागर।
10. हिन्दी उपन्यास एक अन्तर्यात्रा :– डॉ. रामदरश मिश्र।
11. प्रेमचन्द के उपन्यास कथा संरचना :– मीनाक्षी श्रीवास्तव।
12. हिन्दी उपन्यास पहचान और परख :– डॉ. इन्द्रनाथ मदान।
13. प्रेमचन्द प्रतिभा :– डॉ. इन्द्रनाथ मदान।
14. प्रेमचन्द और उनका युग :– डॉ. रामविलास शर्मा।
15. हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद :– डॉ. त्रिभुवन सिंह।
16. प्रेमचन्द और जनवादी साहित्य की परम्परा :– डॉ. कुँवरपाल सिंह।
17. हिन्दी उपन्यास सामाजिक चेतना :– डॉ. कुँवरपाल सिंह।
18. हिन्दी कहानी की रचना प्रक्रिया :– डॉ. परमानन्द श्रीवास्तव।

(5) जयशंकर प्रसाद

समय 3 घण्टे **उत्तीर्णांक – 36** **पूर्णांक 100**

इकाई – 1

कामायनी (काव्य)

हिन्दी महाकाव्य – उद्भव और विकास, कामायनी का महाकाव्यत्व, कामायनी में छायावादी तत्त्व, रूपकत्व, दर्शन, काव्य सौष्ठव, प्रमुख पात्र, प्रासंगिकता, उद्देश्य।

इकाई – 2

चन्द्रगुप्त (नाटक)

नाटककार के रूप में प्रसाद का महत्त्व, चन्द्रगुप्त में इतिहास और कल्पना का समन्वय, राष्ट्रीय भावना, स्वर्णिम अतीत का चित्रण, सांस्कृतिक चेतना, रंगमंचीयता, चरित्र चित्रण, नाटक का शिल्प व भाषा शैली।

इकाई – 3

कंकाल (उपन्यास)

उपन्यास कला, नारी चेतना, सामयिक दृष्टि, वस्तु विन्यास, चरित्र चित्रण, उपन्यासकार के रूप में प्रसाद का मूल्यांकन, भाषा शैली, शिल्प विधान।

इकाई – 4

काव्य कला और अन्य निबन्ध (निबन्ध)

निबन्धकार के रूप में प्रसाद, कवि प्रसाद का गद्य लेखन, निबन्धों का तात्त्विक विश्लेषण।

इकाई – 5

आकाशदीप (कहानी संग्रह)

कहानी कला, कहानी में कवि रूप के दर्शन, आदर्श की स्थापना, राष्ट्रीयता।

परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रश्न पत्र इकाइयों में विभक्त हो।
2. प्रत्येक इकाई से निर्देशानुसार व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाए।
3. प्रत्येक इकाई से व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों को निरन्तर क्रम से पूछा जाए।
4. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ बदलाव होता रहता है अतः परीक्षक पूर्ववर्ती प्रश्न पत्र को प्रमाण न माने।

विस्तृत अंक योजना :–

इकाई 1

(अ) दो व्याख्याएँ **कामायनी** से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 400 शब्द अंक 10 1x10=10

(स) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 100 शब्द अंक 3 1x3=3

इकाई 2

(अ) दो व्याख्याएँ **स्कंदगुप्त** से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 400 शब्द अंक 10 1x10=10

(स) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 100 शब्द अंक 3 1x3=3

इकाई 3

(अ) दो व्याख्याएँ **कंकाल (उपन्यास)** से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 400 शब्द अंक 10 1x10=10

(स) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 100 शब्द अंक 3 1x3=3

इकाई 4

(अ) दो व्याख्याएँ **निबन्धों से पूछी** जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 400 शब्द अंक 10 1x10=10

(स) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 100 शब्द अंक 3 1x3=3

इकाई 5

(अ) दो व्याख्याएँ **कहानी संग्रह** से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 400 शब्द अंक 10 1x10=10

(स) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 100 शब्द अंक 3 1x3=3

सहायक ग्रन्थ :–

1. जयशंकर प्रसाद :– नन्ददुलारे वाजपेयी, भारती भवन, इलाहाबाद।
2. कामायनी में काव्य संस्कृति और दर्शन :– डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
3. प्रसाद की काव्य–साधना – रामनाथ सुमन, साधना सदन, इलाहाबाद।
4. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन :– डॉ. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, सरस्वती मन्दिर, आगरा।
5. जयशंकर प्रसाद–वस्तु और कला :– रामेश्वरलाल खण्डेलवाल।
6. प्रसाद का नाट्य शिल्प :– बनवारी लाल हांडा।
7. कबीर शैव दर्शन और कामायनी :– डॉ. भंवरलाल जोशी, चौखम्भा संस्कृत सिरीज, वाराणसी।
8. कामायनी एक पुनर्मूल्यांकन :– मुक्तिबोध।

(6) भारतीय साहित्य

समय 3 घण्टे **उत्तीर्णांक – 36** **पूर्णांक 100**

इकाई – 1

(1) भारतीय साहित्य : अवधारणा और स्वरूप।
भारतीय साहित्य : अध्ययन की आवश्यकता।

इकाई – 2

(2) भारतीय साहित्य : अध्ययन की समस्याएँ।
भारतीय साहित्य की विशेषताएँ।

इकाई – 3

(3) भारतीय साहित्य में प्रतिबिम्बित भारतीय मूल्य।
भारतीय साहित्य में प्रतिबिम्बित भारतीय सांस्कृतिक एकता।

इकाई – 4

(4) प्रमुख भारतीय साहित्य का विकासात्मक परिचय
(क) दक्षिणात्य वर्ग – तमिल, तेलूगु, कन्नड़, मलयालम
(ख) पूर्वांचल वर्ग – बंगला, उड़िया, असमिया, मणिपुरी
(ग) पश्चिमात्य वर्ग – मराठी, गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी

इकाई – 5

(5) व्यावहारिक अध्ययन (केवल आलोचनात्मक)
(1) गौरा – रविन्द्रनाथ टैगोर (उपन्यास)
(2) आधुनिक भारतीय कविता – सं. अवधेश नारायण मिश्र (कविता) विश्वविद्यालय प्रकाशन, बनारस
(3) तुगलक – गिरीष कर्नाड (नाटक)

परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रश्न पत्र इकाइयों में विभक्त हो।
2. प्रत्येक इकाई से निर्देशानुसार व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाए।
3. प्रत्येक इकाई से व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों को निरन्तर क्रम से पूछा जाए।
4. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ बदलाव होता रहता है अतः परीक्षक पूर्ववर्ती प्रश्न पत्र को प्रमाण न माने।

विस्तृत अंक विभाजन :–

इकाई 1

(अ) दो आलोनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 500 शब्द अंक 12 1x12=12

(ब) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा–
शब्द सीमा 120 शब्द अंक 4 1x4=4

(स) चार अति लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो प्रश्न करने होंगे।
शब्द सीमा 40 शब्द अंक 2 2x2=4

इकाई 2

(अ) दो आलोनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 500 शब्द अंक 12 1x12=12

(ब) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा–
शब्द सीमा 120 शब्द अंक 4 1X4=4

(स) चार अति लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो प्रश्न करने होंगे।
शब्द सीमा 40 शब्द अंक 2 2x2=4

इकाई 3

(अ) दो आलोनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 500 शब्द अंक 12 1x12=12

(ब) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा–
शब्द सीमा 120 शब्द अंक 4 1x4=4

(स) चार अति लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो प्रश्न करने होंगे।
शब्द सीमा 40 शब्द अंक 2 2x2=4

इकाई 4

(अ) दो आलोनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 500 शब्द अंक 12 1x12=12

(ब) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा–
शब्द सीमा 120 शब्द अंक 4 1x4=4

(स) चार अति लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो प्रश्न करने होंगे।
शब्द सीमा 40 शब्द अंक 2 2x2=4

इकाई 5

(अ) दो आलोनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा 500 शब्द अंक 12 1x12=12

(ब) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक करना होगा–
शब्द सीमा 120 शब्द अंक 4 1x4=4

(स) चार अति लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो प्रश्न करने होंगे।
शब्द सीमा 40 शब्द अंक 2 2x2=4

संदर्भ ग्रंथ–

(1) भारतीय साहित्य – नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
(2) भारतीय भाषाओं के साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – सं. गोपाल शर्मा और जगदीश चतुर्वेदी केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय – नई दिल्ली ।
(3) आज का भारतीय साहित्य – राजपाल एण्ड संस – नई दिल्ली ।
(4) भारतीय साहित्य – लक्ष्मी कान्त पाण्डेय और डॉ. प्रमिला अवस्थी – प्रकाशक आशीष प्रकाशन – कानपुर
(5) भारतीय साहित्य का इतिहास – डॉ. तिवारी सत्यकेतु, विश्वभारती प्रकाशन शान्ति निकेतन बोलपुर

(7)पत्रकारिता

समय 3 घण्टे **उत्तीर्णांक – 36** **पूर्णांक 100**

इकाई – 1

पत्रकारिता का स्वरूप और प्रकार। समाचार पत्रकारिता के मूल–तत्त्व, समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम। सम्पादन कला के सामान्य सिद्धान्त – शीर्षकीकरण, पृष्ठ–विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति प्रक्रिया। समाचार पत्रों के विभिन्न स्तम्भों की योजना।

इकाई – 2

समाचार की अवधारणा, समाचार के विभिन्न स्रोत, संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्य पद्धति। पत्रकारिता से सम्बन्धित लेखन – संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोज समाचार आदि की प्रविधि। इलैक्ट्रोनिक मीडिया की पत्रकारिता – रेडियो, टी.वी., वीडियो, केबल की पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता, प्रिण्ट पत्रकारिता और मुद्रण कला, प्रूफ शोधन, ले आऊट तथा पृष्ठ सजाना।

इकाई – 3

भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचनाधिकार एवं मानवाधिकार। मुक्त प्रेस की अवधारणा। लोक सम्पर्क तथा विज्ञापन। प्रसार भारती तथा सूचना–प्रौद्योगिकी, प्रेस सम्बन्धी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता। प्रजातान्त्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

इकाई – 4

विश्व पत्रकारिता का उदय। भारत में पत्रकारिता का आरम्भ। हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास। भारतीय नवजागरण और हिन्दी पत्रकारिता। राष्ट्रीय आन्दोलन और हिन्दी पत्रकारिता। स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता (प्रिण्ट मीडिया)। राजस्थान में हिन्दी पत्रकारिता, इलेक्ट्रोनिक मीडिया और हिन्दी पत्रकारिता (मूल्यांकन)। पत्रकारिता का बदलता स्वरूप, समकालीन पत्रकारिता।

इकाई – 5

इंटनरेट मीडिया की अवधारणा और स्वरूप, इंटरनेट मीडिया क्या है ? इंटरनेट मीडिया का उद्भव और विकास, इंटरनेट मीडिया के प्रकार, विशेषताएँ, भारत में इंटरनेट मीडिया की स्थिति, भारत में इंटरनेट मीडिया का महत्त्व और सम्भावनाएँ, इंटरनेट मीडिया प्रबन्ध एवं अर्थशास्त्र – इंटरनेट मीडिया का अर्थशास्त्र, इंटरनेट मीडिया का प्रबन्धन, इंटरनेट मीडिया एवं वेब पोर्टल, इंटरनेट मीडिया की नई दिशा – ब्लॉग, ट्विटर, फेसबुक।

परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रश्न पत्र इकाइयों में विभक्त हो।
2. प्रत्येक इकाई से निर्देशानुसार व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाए।
3. प्रत्येक इकाई से व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों को निरन्तर क्रम से पूछा जाए।
4. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ बदलाव होता रहता है अतः परीक्षक पूर्ववर्ती प्रश्न पत्र को प्रमाण न माने।

विस्तृत अंक विभाजन :–

इकाई 1.

(अ) दो प्रश्न निबंधात्मक पूछे जायेगे, जिनमें से एक करना होगा।
शब्द सीमा :– 500 शब्द अंक 12 $1 \times 12 = 12$

(ब) चार लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से दो प्रश्न करने होगें।
शब्द सीमा :– 100 अंक 4 $2 \times 4 = 8$

इकाई 2.

(अ) दो प्रश्न निबंधात्मक पूछे जायेगे, जिनमें से एक करना होगा।
शब्द सीमा :– 500 शब्द अंक 12 1 x12 = 12

(ब) चार लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से दो प्रश्न करने होगें।
शब्द सीमा :– 100 अंक 4 2 x 4 = 8

इकाई 3.

(अ) दो प्रश्न निबंधात्मक पूछे जायेगे, जिनमें से एक करना होगा।
शब्द सीमा :– 500 शब्द अंक 12 1 x12 = 12

(ब) चार लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से दो प्रश्न करने होगें।
शब्द सीमा :– 100 अंक 4 2 x 4 = 8

इकाई 4.

(अ) दो प्रश्न निबंधात्मक पूछे जायेगे, जिनमें से एक करना होगा।
शब्द सीमा :– 500 शब्द अंक 12 1 x12 = 12

(ब) चार लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से दो प्रश्न करने होगें।
शब्द सीमा :– 100 अंक 4 2 x 4 = 8

इकाई 5.

(अ) दो प्रश्न निबंधात्मक पूछे जायेगे, जिनमें से एक करना होगा।
शब्द सीमा :– 500 शब्द अंक 12 1 x12 = 12

(ब) चार लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से दो प्रश्न करने होगें।
शब्द सीमा :– 100 अंक 4 2 x 4 = 8

सहायक ग्रन्थ :–

1. पत्रकारिता के मूल सिद्धान्त :– नवीनचन्द पंत।
2. समाचार लेखन एवं सम्पादन :– नवीनचन्द पंत
3. पत्रकारिता के सिद्धान्त :– डॉ. जमनालाल बायती।
4. समाचार पत्र कला :– अम्बिका प्रसाद वाजपेयी।
5. पत्रकारिता के विविध आयाम :– वेदप्रताप वैदिक।
6. पत्रकारिता प्रबन्ध कला :– पन्नालाल श्रीवास्तव।
7. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम :– संजीव भानावत।
8. संचार और पत्रकारिता के विविध आयाम :– ओम प्रकाश सिंह।
9. प्रसारण और फोटो पत्रकारिता :– ओम गुप्ता।
10. विज्ञापन कला :– एकेश्वर हटवाल।
11. पत्रकारिता और कानून :– ओम गुप्ता
12. हिन्दी पत्रकारिता :– स्वरूप और सन्दर्भ – विनोद गोदरे।
13. हिन्दी पत्रकारिता कल आज और कल :– सुरेश गौतम, वीणा गौतम।
14. हिन्दी पत्रकारिता और जनसंचार :– डॉ. ठाकुरदत्त शर्मा (आलोक)।
15. हिन्दी पत्रकारिता :– कृष्ण बिहारी मिश्र।
16. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास :– अर्जुन तिवारी।
17. प्रेस कानून और पत्रकारिता :– संजीव भानावत।

(8)नई कविता

समय 3 घण्टे उत्तीर्णांक – 36 पूर्णांक 100

इकाई – 1

(कितनी नावों में कितनी बार) – अज्ञेय (पहली 15 कविताएँ)

प्रयोगवाद और अज्ञेय, प्रयोगवाद और नई कविता में अज्ञेय का स्थान, प्रमुख काव्य कृतियाँ, काव्य सम्बन्धी मान्यताएँ, अज्ञेय पर पाश्चात्य प्रभाव। अनुभूतिगत विशेषताएँ

– प्रणयानुभूति, क्षणानुभूति, नूतन सौन्दर्यबोध, प्रकृति प्रेम। अभिव्यक्तिगत विशेषताएँ – भाषा एवं शब्द योजना, लाक्षणिकता – प्रतीकात्मकता, बिम्ब विधान।

इकाई – 2

सवेश्वर दयाल सक्सेना की प्रतिनिधि कविताएँ – सं. प्रयाग शुक्ल (पहली 15 कविताएँ)

नई कविता की पृष्ठभूमि और सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की भूमिका, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की काव्य संवेदना, अनुभूति पक्ष, कवि चेतना का विकास, अभिव्यक्ति पक्ष, शिल्प का वैशिष्ट्य।

इकाई – 3

केदारनाथ सिंह की प्रतिनिधि कविताएँ – सं. परमानन्द श्रीवास्तव (पहली 15 कविताएँ)

नई कविता और केदार, जीवन दर्शन, केदार की यथार्थ चेतना, राजनीतिक बोध, नारी चेतना, युगबोध, विसंगति और विडम्बनाओं का कवि, संघर्ष और क्रान्ति चेतना, मानवीय मूल्य और केदार, वर्गविहीन समाज की परिकल्पना, गंवई संवेदना, शिल्प विधान – भाषा, प्रतीक, मुहावरे, निबन्ध, व्यंग्य, तुकबंदी, सूक्तियाँ, सपाटबयानी, नाटकीयता।

इकाई – 4

रघुवीर सहाय की प्रतिनिधि कविताएँ – सं. सुरेश शर्मा (एक समय था खण्ड से पहली 15 कविताएँ)

नई कविता और रघुवीर सहाय, राजनीतिक विसंगतियाँ, सामाजिक विसंगतियाँ, दर्शन, पत्रकार के रूप में रघुवीर सहाय, शिल्प वैशिष्ट्य – मुहावरे, प्रतीक, बिम्ब, गद्य कविता की निश्पति, व्यंग्य, भाषा, शैली।

इकाई – 5

शमशेर की प्रतिनिधि कविताएँ – सं. डॉ. नामवर सिंह (पहली 15 कविताएँ)

प्रगतिवाद और शमशेर, शमशेर का दर्शन, सौन्दर्यानुभूति, भावानुभूति, रसात्मकता, युगबोध, भाषा–शिल्प, प्रतीक विधान, लाक्षणिकता, आलंकारिकता, प्रकृति चित्रण, सांस्कृतिक तत्त्व, काव्य सौन्दर्य।

परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रश्न पत्र इकाइयों में विभक्त हो।
2. प्रत्येक इकाई से निर्देशानुसार व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाए।
3. प्रत्येक इकाई से व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों को निरन्तर क्रम से पूछा जाए।
4. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ बदलाव होता रहता है अतः परीक्षक पूर्ववर्ती प्रश्न पत्र को प्रमाण न माने।

विस्तृत अंक योजना :–

इकाई – 1

(अ) दो व्याख्याएँ कितनी नावों में कितनी बार से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 300 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

इकाई – 2

(अ) दो व्याख्याएँ सर्वेश्वर की प्रतिनिधि कविताओं से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।

शब्द सीमा – 300 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

इकाई – 3

(अ) दो व्याख्याएँ केदार की प्रतिनिधि कविताओं से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 300 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

इकाई – 4

(अ) दो व्याख्याएँ रघुवीर सहाय की प्रतिनिधि कविताओं से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 300 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

इकाई – 5

(अ) दो व्याख्याएँ शमशेर की प्रतिनिधि कविताओं से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 300 शब्द अंक – 7 1x7=7

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1x3=3

सहायक ग्रन्थ :–

1. नई कविता – जगदीश गुप्त
2. कविता के नये प्रतिमान – डॉ. नामवर सिंह
3. नई कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबन्ध – गजानन माधव मुक्तिबोध
4. नई कविता : सीमाएँ और सम्भावनाएँ – गिरिजाकुमार माथुर
5. नई कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा
6. तार सप्तक से गद्य कविता – रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या – रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. अज्ञेय – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
9. मुक्तिबोध : संवेदना और शिल्प – नन्दकिशोर नवल
10. अंतस्तल का पूरा विप्लव : अंधेरे में – सं. डॉ. निर्मला जैन
11. रघुवीर सहाय का कवि कर्म – सुरेश शर्मा
12. धूमिल और उनका काव्य संघर्ष – ब्रह्मदेव मिश्रा
13. दिनकर के प्रबंध काव्य (संदर्भ 1950 से 1980) – डॉ. आर.पी.एस. चौहान
14. दीर्घ कविता – विश्वम्भरनाथ उपाध्याय
15. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन – रामस्वरूप चतुर्वेदी

16. अज्ञेय की कविता — चन्द्रकान्त बांदिवडेकर
17. गजानन माधव मुक्तिबोध — लक्ष्मणदत्त गौतम

पंचम प्रश्न पत्र : निबन्ध अथवा लघु शोध प्रबन्ध

समय : 3 घण्टे उत्तीर्णांक : 36 पूर्णांक : 100

निबन्ध

निर्देश :–

1. किसी एक साहित्यिक विषय पर निबन्ध लिखना है।
2. निबन्ध के विषय एम.ए. हिन्दी के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से सम्बन्धित होंगे।

अथवा

1. लघु शोध प्रबन्ध लिखने की अनुमति उसी नियमित विद्यार्थी को दी जायेगी जिसने एम.ए.पूर्वार्द्ध परीक्षा में 55 प्रतिशत अथवा अधिक अंक प्राप्त किए हैं।
2. लघु शोध प्रबन्ध सम्बन्धित महाविद्यालय के किसी प्राध्यापक के निर्देशन में लिखा जायेगा।
3. स्वयंपाठी को लघु शोध प्रबन्ध लिखने की अनुमति नहीं होगी।
4. लघु शोध प्रबन्ध की पृष्ठ सीमा लगभग 100 पृष्ठ होगी।

सहायक पुस्तकें :–

1. साहित्यिक निबन्ध – डॉ. प्रताप टंडन, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. साहित्यिक निबन्ध – डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. साहित्यिक निबन्ध – डॉ. त्रिभुवन सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
4. हिन्दी निबन्ध का विकास – डॉ. ओंकारनाथ शर्मा, अनुसंधान प्रकाशन, कानपुर
5. साहित्यिक निबन्ध – डॉ. राजकुमार पाण्डेय